Unit 1

1. विंडो 8.1 की विशेषताओं को विस्तार से समझाइए
Explain Features of Windows 8.1 in detail
अथवा
MS-windows की विभिन्न विशेषताओं के बारे में बताइए।
Explain various features of Ms-windows.

उत्तर :– **Windows – 8.1 की विशेषताएँ**

विंडो 8.1 में बहुतसी नई सुविधाएं जोडी गई है। इसमे निम्न मुख्य विशेषताएँ है:

Clear type :- window 8.1 में **clear type subpixel rendering** सुविधा जोडी है, जिससे **LCD** मॉनीटर में टेक्स्ट के फॉन्ट अधिक साफ एवं स्पष्ट दिखाई देते है। यद्यपी यह सुविधा **CRT** प्रकार के मॉनीटर में भी कार्य करती है, लेकिन **LCD** प्रकार के मॉनीटर में अधिक स्पष्टता से दिखती है।

Start Menu :- इस संस्करण में नये प्रकार का **Start** मेन्यू डाला गया है, जिससे प्रयोगकर्ता जो कार्य बार– बार प्रयोग कर रहा है, उसे सीधे एक क्लिक से चालू किया जा सकता है। जो अप्लिकेशन बार–बार प्रयोग हो रहे है, वह अप्लिकेशन सीधे **Start** स्क्रीन के मुख्य हिस्से में आ जाते है। **Start** को नई तरीके से डिजाइन किया है, जिससे इसे माउस के साथ ही **touch screen** में भी आसानी से प्रयोग किया जा सके। जिससे **desktop** पर कम आयकॉन रहते है। जो अप्लिकेशन बार–बार प्रयोग हो रहे है, उन्हे विंडो स्वयं ही **start** स्क्रीन में दर्शाता है। **Start screen** के ऊपर की ओर **user** का नाम एवं उसका ऑयकान दर्शाया जाता है।

Smart search :- इस संस्करण में कम्प्यूटर मे संग्रहित विभिन्न अप्लिकेशन, फाइल, फोल्डर को तेजी से खोजने की सुविधा है। इसके

Scanned by CamScanner

अतिरिक्त "bing" सर्च इंजन के माध्यम से ऑनलाइन डाटा खोजने की भी बहुत अच्छी सुविधा उपलब्ध है।

Auto play :- Removable media जैसे Compact disk, Pen drive आदि जब कम्प्यूटर से जोडी जाती है, तब विंडो उनके घटको को देखता है, यदि उसमे picture, movie आदि फाइलें है, तब विंडो स्वयंही उन फाइलो को चलाने के लिये आवश्यक प्रोग्राम चालू कर देता है।

Windows firewall :- यह सुविधा डाटा को इंटरनेट से होने वाले वायरस के हमले से बचाने के लिए प्रयोग होती है। फायरवाल विंडो में हमेशा कार्यरत रहता है। फायरवाल यह एक प्रोग्राम है, जो आपका कम्प्यूटर कौन से नेटवर्क से जुडना है या कौन से नेवटर्क से नही जुडना यह तय करता है।

Protections of files :- windows 8.1 में NTFS प्रकार की फाइल प्रणाली प्रयोग होती है, जो FAT-32 प्रकार के फाइल से अधिक सुरक्षित है। इसके अतिरिक्त मुख्य सिस्टम फाइलों को किसी अप्लिकेशन द्वारा फिर से प्रयोग होने से बचाया जाता है, जिससे सिस्टम फाइलें सुरक्षित रहती है।

Fast Boot,Logon Logoff:- विंडो 8.1 ऑपरेटिंग सिस्टम साधारणतः 30 सेंकण्ड में चालू होती है, जो पूराने संस्करण से बहुत कम समय में लोड होती है। इसी तरह एक user से दूसरे user पर जाने के लिए भी बहुत कम समय लगता है।

Application Compatibility: - जो अप्लिकेशन Window-95 ऑपरेटिंग सिस्टम एव उसके आगे के संस्करण में चलते थे, वह सभी अप्लिकेशन इस संस्करण में चल सकते है। इस में प्रयोगकर्ता को अप्लिकेशन सॉफ्टवेयर हेतु एक बडी रेंज उपलब्ध है।

Media features :- विंडो एक्स पी में मीडिया फाइलों के लिए बहुतसी सुविधाएँ जोडी है, इसमे Windows Media Player, Windows Movie Maker, Windows Media Center, Windows Media Encoder, और Windows Media आदि अप्लिकेशन है। जो विभिन्न मीडिया फाइलों को चालू करने, उनमे बदलाव करने आदि में सक्षम है।

Scanned by CamScanner

3. **Ms-windows** पर उपलब्ध विभिन्न एक्सेसरीज के बारे में बताइए।

Explain various accessories available in ms-windows. (May19,Jan 20)

अथवा

एसेसरीज से आपका क्या अभिप्राय है? किन्ही चार एसेसरीज को समझाइए

What do you mean by Accessories ? Exaplain any Four Accessories

उत्तर :– विंडो में बहुतसी पूर्वनिर्धारीत सुविधायें है, उन्हे **accessories** कहा जाता है। निम्न कुछ सुविधायें विंडों ऑपरेटिंग सिस्टम में है,

Calculator

इसमें साधारण कैल्कुलेटर तथा वैज्ञानिक कैल्कुलेटर होता है। जिनके साहयता से गणीतीय गणना आसानी से कर सकते है। यह सुवीधा **Accessories** विकल्प में मिलता है।

सामान्य कैल्कुलेटर में 0 से 9 तक अंक तथा सरल गणितीय ऑपरेटर होते है।

Scientific Calculator में सरल तथा जटिल दोनों प्रकार कि गणीतीय गणनाएं कर सकते है। **scientific calculator** चालू करने के लिए "view" मेनु में "Scientific" विकल्प सिलेक्ट करे।

Note Pad

यह सुविधा आपको वर्ड प्रोससिंग कार्य करने की सुविधा देता है। यदि सामान्य टेक्स्ट लिखना हो तो, कोई अप्लिकेशन सॉफ्टवेयर की आवश्यकता नही है, इस अप्लिकेशन मे यह कार्य आसानी से कर सकते है। यह सुविधा **Accessories** विकल्प में दिखाई देता है। इसमे फाइल बना सकते है, उसे **save** कर सकते है। डाटा को कुछ सीमा तक फॉर्मेट कर सकते है। जब यह सॉफ्टवेअर चालू करते है, तब वर्ड

Scanned by CamScanner

प्रोसेसर की स्क्रिन दिखाई देती है। जिसमे सीधे टाइप करना चालू कर सकते है। यदि टेक्स्ट का फॉन्ट ,आकार, रंग बदलना हो तो उसे टूल बार से परीवर्तित कर सकते है। इसमे अनुच्छेद को विविध एलाइनमेंट (Left, Right, Center) दे सकते है। इसमे कट, कॉपी, पेस्ट की सुविधा है। इसमे बनाई गयी फाइल को Save, Print कर सकते है। इसमे पाँच मेनु होते है, File, Edit, Format, View, एवं Help। इसमे बनायी गई फाइल का एक्टेंशन .Txt होता है, इस प्रकार के फाइल का आकार छोटा होता है। नोटपैड में फाइल सेव करने के लिए

- File मेनु को क्लिक करे।
- Save As विकल्प को क्लिक करे। Save As का डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा, फाइल का इच्छित नाम टाइप करे। Save बटन को क्लिक करे।

पुरानी नोट पैड कि फाइल खोलने के लिए

- File मेनु को क्लिक करे।
- Open विकल्प को क्लिक करे। Open का डायलॉग बॉक्स दिखाई देता है।
- इच्छित फाइल का नाम सिलेक्ट करे। Open बटन को क्लिक करे।

नोटपैड को बंद करने के लिए File मेनु के Close विकल्प को क्लिक करे।

Wordpad

वर्डपैड यह विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम का स्वंय का वर्ड प्रोसेसर सॉफ्टवेयर है, इस में शब्द संशोधन प्रोग्राम की बहुत सी सुविधाए उपलब्ध है। इसमे आप टेक्स्ट को फारमेटिंग कर सकते है, दस्तावेज में आब्जेक्ट डाल सकते है, प्रिन्ट प्रिव्यू देख कर दस्तावेज प्रिन्ट कर सकते है। इसे चालू करने के लिए

- Start बटन को क्लिक करे।
- Wordpad विकल्प को क्लिक करे।

Scanned by CamScanner

➲ इसमे ऊपर की ओर विभिन्न टैब बार होते है, प्रत्येक टैब को क्लिक करने से उसके अंदर के विकल्प दिखाई देते है। **word pad** में तीन **file, Home, view,** टैब है। टैब के निचे उसके विकल्प प्रदर्शित होते है। इसके बाद मुख्य स्क्रीन होती है, जिसमे वास्तविक डाटा टाइप किया जा सकता है। इसे **edit area** कहा जाता है, इस क्षेत्र में जो टेक्स्ट आप टाइप करते है, एवं फॉर्मेट करते है वह दर्शाया जाता है। डाटा जैसे इस क्षेत्र में दिखाई देता है, वैसा प्रिन्ट होता है।

मीडिया प्लेअर

विंडो –**8.1** यह मल्टीमीडिया से सुसज्जित ऑपरेटिंग सिस्टम है। पूराने संस्करण में यह सुविधा उतनी शक्तिशाली नही थी। लेकिन इस संस्करण में बहुत सी सुविधाएँ है। इसमे **Wave, Midi** फाइलों को चला सकते है। इसमे **Video Cd** देख सकते है, **Mp3** फॉरमेट के गाने सुन सकते है। इसके अतिरिक्त रिकॉर्डिंग तथा वीडियो एडीटिंग कर सकते है।

जैसे ही सीडी डालते है वैसे ही चालू हो जाती है, यदि नही होती है तो विंडो के मीडिया प्लेअर विकल्प को चालू करें जो, कि **Entertainment** विकल्प में है। तथा **Open** विकल्प से फाइल को सिलेक्ट करें।

Entertainment समूह **में** निम्न काम कर सकते है :

Media Player :- गाने या पिक्चर जो कॉम्पैक्ट डिस्क में डाले है, उन्हे मीडिया प्लेअर से सुना या देखा जा सकता है। **window media player** को चालू करने के बाद निम्न स्क्रीन दिखाई देती है। इसमे ऊपर की ओर मेन्यू बार होते है। मध्य में मुख्य स्क्रीन होती है, इस स्क्रीन में जो **movie** आप चालू करते है, वह दर्शाई जाती है। नीचे की ओर बटन होती है, जिसमे गाने या मूवी को आगे या पीछे किया जा सकता है। उसके बाजू में **sound** का कन्ट्रोल होता है। स्क्रीन के दाँएँ तरफ एक **pane** होता है, जिसमे प्रयोग में आने वाली मीडिया फाइल की सूची दर्शाई जाती है। विंडो **xp** में लगभग सभी प्रकार की मीडिया फाइल कार्यान्वित होती है।

Scanned by CamScanner

नई फाइल चालू करने के लिए File मेन्यू के open विकल्प को सिलेक्ट करें, तथा इच्छित मिडीया फाइल को सिलेक्ट करे।
इंटरनेट से कोई मीडिया फाइल चलाने के लिए open url विकल्प को सिलेक्ट करें, तथा वेबसाईट का पता डाले।
आप मीडिया प्लेअर में इच्छित गानों की सूची बना कर उसे एक नाम के साथ सेव कर सकते है, तथा उन्हे एक के बाद दूसरे इस तरह से चला सकते है। इन सूची को Playlist कहा जाता है। इस प्रकार की playlist बनाने के लिए इच्छित गाने को चुन कर file के open विकल्प से एक से अधिक इच्छित फाइल सिलेक्ट करें (एक से अधिक फाइल सिलेक्ट करने के लिए shift या ctrl बटन का प्रयोग करे।) वह सभी फाइलें दाँएं तरफ के panel में दिखाई देती है। अब file मेन्यू के "Save Now Playing List as..." विकल्प को क्लिक करें, फाइललिस्ट का डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा, उसमे इच्छित नाम टाइप करे। इन फाइलों का extension ".wpl" होता है।
इसके अतिरिक्त आप विंडो मीडीया प्लेअर में लायब्रेरी भी बना सकते है, जिसमे एक समान फाइलो को एक साथ रख सकते है। उदाहरण के लिए आपको रॉक म्यूजिक की फाइलें एक साथ रखना है, पूराने गानों को एक साथ रखना है इसके लिए file मेन्यू के add to library विकल्प का प्रयोग कर सकते है।
view मेन्यू का प्रयोग स्क्रीन के विभिन्न घटक दृश्य या अदृश्य करने के लिए होता है।
play मेन्यू का प्रयोग इच्छित गाना सुनने, या गाना बीच में रोकने या अगला गाना सुनने आदि के लिए होता है,

Scanned by CamScanner

Unit 2

1. **MS-Word क्या है? word processor के गुणों को समझाइए**
   What is ms-word? Explain the properties of word processor (May19, Jan 20)
   अथवा
   शब्द संसाधन क्या है? एम एस वर्ड की विभिन्न विशेषताओं की व्याख्या कीजिए
   What is word processing ? explain various features of ms-word (june 16)

उत्तर :– **MS-Word**

यह एक शक्तिशाली शब्द संसाधक)Word Processor(प्रोग्राम है, जो **ms-office** के अंतर्गत आता हैं। इसमे साधारण कार्यालयीन पत्र से लेकर संपूर्ण किताब बना सकते हैं। इसमे टेक्स्ट टाइप करना, संयोजित करना, प्रिन्ट करना इत्यादि सुविधायें हैं। इसमे बनाए दस्तावेजों को अन्य अप्लिकेशन में भी प्रयोग कर सकते हैं। आप इमेल का प्रयोग कर दस्तावेज को एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में भेज सकते हैं। इसमे कार्य करने के लिए मेनु प्रणाली का प्रयोग किया है, लेकिन टूलबार, **shortcut key** आदि से भी आप इच्छित कार्य पूर्ण कर सकते हैं। इसमे कार्य करना बहुत ही सरल हैं। इसमे सभी कमाण्ड या विकल्प बहुत ही सरल अंग्रेजी भाषा में दिये है, **open, print, spell and Grammar** आदि। वर्तमान **MS-Word**सबसे अधिक प्रयोग होने वाला **word processor** प्रोग्राम हैं।

वर्ड प्रोसेसर

वर्ड प्रोसेसर यह शब्द संसाधक एवं प्रबधंक का काम करता हैं। यह एक कम्प्यूटर अप्लिकेशन है, जो इच्छित शब्दों का टाइप करना, सुधार करना,

Scanned by CamScanner

फारमेट करना, गलतीयॉ सुधारना एवं प्रिन्ट करना इत्यादि काम करता हैं। पहले अलग वर्ड प्रोसेसर सॉफ्टवेयर होते थे जैसे **wordstar, word perfect** आदि लेकिन वर्तमान में यह एक ऑफिस पैकेज के अंतर्गत डाले जाते है, जैसे **MS-Word(Ms-office** पैकेज का हिस्सा है) **Lotus Word Pro (Louts SmartSuit** पैकेज हा हिस्सा हैं।) इन सभी में **MS-Word** यह सबसे अधिक प्रयोग होने वाला वर्ड प्रोसेसींग पैकेज हैं। वर्ड प्रोसेसीग पैकेज के निम्न विशेषण हैं।

1. **Word wrapping** :- इस सुविधा में प्रयोगकर्ता जब टेक्स्ट टाइप करता है एवं टेक्स्ट लाइन के अंत में पहुँचता है, तब वर्ड प्रोसेसर उसे स्वंय हि दूसरे लाइन में डाल देता हैं। इसके लिए प्रयोगकर्ता को अलग से सूचना नही देना पडता हैं। इससे टेक्स्ट टाइप करने का काम तेज एवं आसान हो जाता हैं। जब नया परिच्छेद बनाना हो, तब **enter** बटन दबाना पडता हैं। वर्ड प्रोसेसर पैकेज में टाइप किये टेक्स्ट, स्वंय को मार्जिन के बीच में सेट कर लेता हैं।
2. **Editing** :- वर्ड प्रोसेसर पैकेज में बनाए गये दस्तावेज में आसानी से बदलाव एवं सुधार किया जा सकता है, तथा इसमे पुरानी गलतीयॉ नही दिखती हैं। उदाहरण के लिए आपने पेन से कोई पत्र लिखा है, तथा बादमे में कुछ सुधार किये है, तब पुरानी गलतीयॉ कटी हुई दिखाई देती हैं। लेकिन कम्प्यूटर में बनाए गये दस्तावेज में सुधार किया हुआ अंतिम दस्तावेज हि प्रिन्ट होता हैं।
3. **Text Formatting** :- इस विशेषण में प्रयोगकर्ता एक साथ संपूर्ण टेक्स्ट या इच्छित टेक्स्ट का आकार, रंग, प्रकार इत्यादि एक हि क्लिक से बदल सकता हैं। इसके अतिरिक्त टेक्स्ट में दो लाइन के बीच कि दूरी, दो परिच्छदों के बीच कि दूरी इत्यादि आसानी से सेट कि जा सकती हैं। लगभग सभी वर्ड प्रोसेसर पैकेज में **bullet** एवं **numbering** कि सुविधा है, जिससे सूची के प्रत्येक घटक को वर्ड प्रोसेसर स्वयं नंबर देता हैं।
4. **Find and replace** :- वर्ड प्रोसेसर में संपूर्ण दस्तावेज में किसी एक इच्छित शब्द को एक क्लिक द्वारा खोजा जा सकता हैं। खोजे हुए

Scanned by CamScanner

शब्द को एक क्लिक द्वारा वांछित शब्द से बदला जा सकता हैं। बडे दस्तावेज में यह सुविधा बहुत महत्वपूर्ण हैं।

5. **Spell Check** :- वर्ड प्रोसेसर में बनाए गये दस्तावेज की वर्तनी एवं व्याकरण जांच कि जा सकती है, तथा उन्हे आसानी से सुधारा जा सकता हैं।
6. **Printing** :- बनाए गये दस्तावेज को सेव करने के बाद इच्छित समय प्रिन्ट किया जा सकता हैं। आप एक पेज कि इच्छित प्रतियॉ प्रिन्ट कर सकते हैं।
7. **Mail Marge** :- इस सुविधा से एक ही पत्र को एक से अधिक व्यक्तियो के नाम के साथ जोड कर प्रिन्ट कर सकते हैं।

इसके अतिरीक्त आधुनिक वर्ड प्रोसेसर पैकेज में **word count, Cross-reference, Page number Table of content** इत्यादि सुविधाएं हैं।

11. निम्न पर टिप्पणी लिखिए

Write notes on (May19,Jan 20)

a. Creating table

b. Insert Table

c. Draw Table

उत्तर :– **Creating table** :- वैसे तो आप दस्तावेज में टैब के द्वारा डाटा को टेबल के रूप में रख सकते है। लेकीन यह बहुत मुश्किल काम है। टैब से टेबल बनाने का काम धीमा एवं जटिल होता है। टैब द्वारा बनाये गये टेबल में यदि टेक्स्ट बडा होता है, तब वह कॉलम के बाहर जाता है। लेकीन एमएस वर्ड के टेबल विकल्प द्वारा यह काम आसानी से कर सकते है। एमएस वर्ड में टेबल बनाना और उसमे काम करना बहुत ही आसान है। टेबल का प्रत्येक बॉक्स एक अलग इकाई होता है। टेबल के एक बॉक्स को अलग रुप दे सकते है तथा दूसरे को अलग फारमेट कर सकते है। एमएस वर्ड में आप सरल टेबल से अलग अलग चौडाई के कॉलम के जटिल टेबल आसानी से बना सकते है। एमएस वर्ड में बनाये हुए टेबल को आसानी से संयोजित किया जा सकता है, आकार में

Scanned by CamScanner

बदलाव किया जा सकता है, ग्राफ में परिवर्तित किया जा सकता है तथा कुछ सरल गणितिय गणनायें भी की जा सकती है।

वर्ड में **Row** और **Column** की जानकारी देकर टेबल बना सकते है। और उसके बाद उसमे डाटा डाल सकते है या फिर टैब से बनाये हुऐ टेक्स्ट को टेबल में बदल सकते है। टेबल बनाने के लिए

- **Insert** टैब को क्लिक करें।
- **Table** ग्रूप के ऐरो को क्लिक करें।
- आपको चौकोर बॉक्स का मैट्रिक्स दिखाई देता है।
- उसमे आडे चौकोर बॉक्स कॉलम का प्रतिनिधित्व करते है, तथा खडे चौकोर बॉक्स **Row** का प्रतिनिधित्व करते है। **Row** और **Column** सिलेक्ट करें। जैसे–जैसे आप चौकोर ब. करते है, वैसे ही दस्तावेज में टेबल बनते जाता है। यद्यपी एक बार टेबल बनाने के बाद भी उसके रो और कॉलम में बदलाव कर सकते है।
- इसके अतिरिक्त एक सूची में नीचे **Insert Table**, **Draw Table** या **Quick Table** विकल्प से भी टेबल बना सकते है।

Insert Table

इस विकल्प से आप समानांतर टेबल बना सकते है। इसमे जरुरत के अनुसार **Column** और **Row** की संख्या बताना पडता है। इसके लिए

- **Insert** टैब को क्लिक करें।
- **Table** ग्रूप के **Table** ऐरो को क्लिक करें।
- **Insert table** विकल्प को क्लिक करें। **insert table** का डायलॉग बॉक्स दिखाई देता है।

इसमे इच्छित **Column** की संख्या को कॉलम टेक्स्ट बॉक्स में डाले तथा इच्छित **row** की संख्या को रो टेक्स्ट बॉक्स में डाले यद्यपी रो की संख्या जैसे आप टैब की बटन दबाते जाते है, वैसे बढते जाती है।

इसके नीचे **Auto fit** के तीन **विकल्प** है।

1. **Fixed Column Width** :- यदि इस विकल्प को सिलेक्ट करते है, तब टेबल के सभी कॉलम की चौडाई एक समान आती है। इसके बॉक्स में कॉलम की चौडाई डाले। यदि इसमे **Auto** विकल्प का

Scanned by CamScanner

प्रयोग किया है तब कॉलम की चौडाई यह पेज के आकार एवं कॉलम की संख्या से निर्धारित होती है।

2. **Auto Fit to content** : यदि इस विकल्प का प्रयोग किया है, तब कॉलम की चौडाई उसमे डाले गये टेक्स्ट के आधार पर तय होती है।

3. **Auto Fit to window** :- इस विकल्प से टेबल की संपूर्ण चौडाई यह पेज के आकार की होती है।

Remember dimension for new table :- यदि इस चेक बॉक्स को चालू रखते है, तब आगे के टेबल में भी इस टेबल के समान कॉलम एवं रो की संख्या आती है।

सभी परिमाणों को सेट करने के बाद **Ok** बटन को क्लिक करें।

Scanned by CamScanner

Unit-I

1. प्रकाशन मे डेक्सटॉप पब्लिशिंग के प्रयोग पर विस्तृत नोट लिखिए
write a detailed note on the use of desktop publishing in publication' (Jan - 2013)
या
डि. टी. पी. की प्रकाशन मे क्या उपयोगीता है। इसके महत्व को समझाइये।
What is the use of DTP in publication ? write its importance (June -2010, Jun-2011)

उत्तर :– पुराने समय मे दस्तावेज को प्रिन्ट करने के लिए बहुत अधिक संसाधनो की आवश्यकता होती थी। उस समय प्रिन्टिंग इकाई को बडे जगह की आवश्यकता होती थी। लेकिन नई तकनीक एवं कम्प्यूटर की सहायता से यह काम बहुत कम जगह पर किया जा सकता है। इस नये प्रिन्टिंग पद्धति को डीटीपी (Desk Top Publishing) कहा जाता है। डेक्स टॉप पब्लिशिंग (डी.टी.पी.) का अर्थ होता है, आप एक टेबल पर संपूर्ण पब्लिकेशन का काम कर सकते है। कम्प्यूटर के आने के पहले प्रिन्टींग या पब्लिकेशन यह बहुत मुश्किल तथा थका देने वाला काम था। यदि आपको एक साधारण लेटर पैड कुछ सरल चित्रो के साथ भी बनाना है, तो इस के लिये बहुत वक्त तथा कुशल कारागीर की जरूरत होती थी। फिर भी उसमें सुधार के लिये बहुत कम संभावनायें थी। लेकिन आप कम्प्यूटर की सहायता से बहुत सुंदर तथा कलात्मक काम कम समय बना सकते है। आपने शादी की पत्रिकाये, परिचय पत्र या लेटर

Scanned by CamScanner

पैड देखे होगे, जो डी.टी.पी. पैकेज की सहायता से बनाये जाते है। डी. टी.पी. पैकेज मे बनाये हुए कामों मे आसानी से बदलाव कर सकते है। आप लेटर पैड का आकार, उनके अंदर प्रयोग किये हुए शब्दो का प्रकार आसानी से संशोधीत कर सकते हैं। संपूर्ण लेटर पैड का लेआऊट भी आसानी से बदल सकते है। पेजमेकर मे आप एक मास्टर डाक्यूमेंट बना कर उसे दूसरे डाक्यूमेंट के साथ जोड सकते है। इसमे बडे आकार की डिजाइन बना सकते है, जिसे बाद मे अलग–अलग टुकडो मे लेजर प्रिन्टर से प्रिन्ट निकाला जा सकता है। मूलतः डी.टी.पी. पैकेज यह छपाई (Printing) के काम मे प्रयोग मे आते है। यदि आपको कोई पाम्पलेट छापना हो तो, प्रथम कम्प्यूटर मे उसकी डिजाइन बनानी होगी, उसके बाद लेजर प्रिन्टर से प्रिन्ट लेना होगा, उसके बाद उसकी प्लेट बनाई जाती है। फिर उसे व्यवसायिक प्रिन्टींग मशीन पर लगाकर प्रिन्ट लिये जाते है। पेजमेकर यह पैकेज मुख्यतः साधारण तथा सरल डिजाइन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। डीटीपी सॉफ्टवेयर का मुख्य काम इच्छित प्रिन्टिंग के कार्य को सही तरीके से एवं तेजी से कम्प्यूटर पर सेट करना है। कुछ सॉफ्टवेयर यह एकल पेज डिजाइनिंग के लिए प्रयोग होते है, जैसे पोस्टर की डिजाइन बनाना है, या लेटरपैड की डिजाइन बनाना आदि। कुछ सॉफ्टवेयर बहु पेज दस्तावेज के सेटिंग के लिए प्रयोग होते है, जैसे किसी किताब की सेट करना आदि।

वर्तमान प्रिन्टिंग तकनीक हमारे जीवन से बहुत गहराई से जुडी हुई है। हम रोज विभिन्न प्रिन्ट सामग्री का उपयोग करते है। समाचार पत्र, पत्र, बील आदि विभिन्न प्रिन्ट माध्यम से हम जुडे होते है। इस सभी प्रिन्ट की हुइ वस्तुओं की डिजाइन बनाने का काम डीटीपी सॉफ्टवेयर मे होता है। डीटीपी सॉफ्टवेयर की सहायता से सभी प्रकार के दस्तावेज की डिजाइन बनाई जा सकती है। प्रत्येक प्रकार के दस्तावेज का लेआउट अलग–अलग होता है। जैसे किताब का पेज का आकार अलग होता है, ब्राउशर के पेज का आकार अलग होता है। साधारणतः निम्न दस्तावेज की डिजाइन बनाई जाती है।

- किताबे
- मासिक
- समाचार पत्र
- निमंत्रण

Scanned by CamScanner

पत्रिका

- बिजनेस कार्ड
- लिफाफे
- कंपनी की सालाना रिपोर्ट
- लेटर हेड
- कैलेंडर
- आवेदन पत्र
- पोस्टकार्ड
- पोस्टर
- कार्यलयीन नोटीस
- विज्ञापन
- बिल बुक
- बैनर

4. Wordprocessor एवं Publishing software निम्न के बीच में अंतर स्पष्ट कीजिए

Explain the difference between Word Processor Software and Publishing Software *(Jun 19)*

उत्तर :–

डेस्क टॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेअर	वर्ड प्रोसेसर सॉफ्टवेअर
इस प्रकार के सॉफ्टवेअर का मूल कार्य पेजलेआउट सेट करना है। पेज पर प्रयोगकर्ता कार्य के अनुसार विभिन्न घटकों को रख सकता है।	इस प्रकार के सॉफ्टवेअर का मुख्य कार्य शब्दों को संयोजित करना है। इस प्रकार सॉफ्टवेअर प्रयोगकर्ता का पेज में डाटा सेट करने में बहुत अधिक नियंत्रण नही होती है।
इस प्रकार के सॉफ्टवेअर का उपयोग प्राय प्रिन्टिंग कार्य के डिजाइन बनाने के लिए होता है।	इस प्रकार के सॉफ्टवेअर का उपयोग प्राय कार्यालयीन कार्य के लिए होता है।
इस प्रकार के सॉफ्टवेअर प्रत्येक पेज एक अलग इकाई के रूप में होता है। एक पेज पर किये गये कार्य का प्रभाव दूसरे पेज पर नही	इस दस्तावेज के सभी पेज क्रमवार रूप में होते है, एक पेज के बदलाव का असर अन्य पेज पर भी होता है।

Scanned by CamScanner

होता है।	
इसमें ग्राफिक्स कार्य के लिए विभिन्न टूल दिये होते है	इसमें ग्राफिक्स कार्य के लिए बहुत अधिक टूल नही होते है।
इस प्रकार के सॉफ्टवेअर मे किसी ऑब्जेक्ट या टेक्स्ट ब्लाक को आसानी से एक जगह से दूसरे जगह मूव किया जा सकता है।	इसमे टेक्स्ट को मुव करने के बाद, उसका प्रभाव अन्य टेक्स्ट पर होता है।
प्रिन्टिंग के आवश्यक प्रभाव जैसे mirror, colour seperation आदि विभिन्न प्रभाव सॉफ्टवेअर में उपलब्ध है।	इस प्रकार प्रभाव उपलब्ध नही होते है।
टेक्स्ट मे संशोधन के सिमीत विकल्प होते है	टेक्स्ट संशोधन के बहुत विकल्प उपलब्ध है।

Scanned by CamScanner

Unit -2

1. पेजमेकर के लाभ – हानियों को वर्णन किजिए
Describe the advantage and disadvantages of pagemake* (Jan 2013)
या
पेजमेकर क्या है तथा इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
What is pagemaker and explain its features?

उत्तर :– पेजमेकर यह विश्व मे सबसे अधिक प्रयोग होने वाला डी.टी.पी. पैकेज है। इसमे बडा डाटा भी आसानी से संयोजित (compose) कर सकते है। जिस पेज सेटिंग का काम पेजमेकर मे 2 घंटो मे कर सकते है, वो ही काम manually करने मे एक दिन से ज्यादा का समय लग सकता है। इसमे टायपीस्ट, ग्राफिक डिजाइनर, लेआउट आर्टिस्ट आदि काम आसानी से कर सकते है। इसमे टेक्स्ट के अतिरिक्त ग्राफिक्स मे कुछ सरल प्रभाव दे सकते है। यह बहुआयामी पैकेज है, जिसमे आप सरल ग्राफिक्स की पत्रिका, एक संपूर्ण किताब या कलात्मक पाम्पलेट आसानी से बना सकते है। पेजमेकर का Edit story विकल्प वर्ड प्रोसेसिंग की सुविधा देता है, जिसमे बडा डाटा आसानी से टाइप कर सकते है, तथा उस डाटा को विभिन्न टूल (spell check, find and change) से जांच सकते है। इसमे बनने वाली फाइलों का आकार बहुत अधिक नही होता है। इसमे बनाई गई डिजाइन मे आसानी से सुधार या बदलाव किये जा सकते है। इसमे अन्य ग्राफिक्स पैकेज से डिजाइन डाली जा सकती है, तथा डिजाइन को मूल पैकेज से link किया जा सकता है। पेजमेकर मे स्कैनर से फोटो, मैप आदि जोड सकते है। ग्राफिक का आकार, स्थिति, रंग आदि एक क्लिक द्वारा बदल सकते है।

Scanned by CamScanner

यह पैकेज मैकन्टोस (Macantos) तथा आय.बी.एम IBM दोनो प्रकार के कम्प्यूटर पर चलता है। यह पैकेज के टूल बहुत अर्थपूर्ण तथा आसान है। पेजमेकर मे बनी हुई फाइल का आकार भी दूसरे ग्राफिक पैकेज की तुलना मे बहुत कम होता है।यह पैकेज Adobe कंपनी ने बनाया है। इसमे 256 मास्टर पेज बना सकते है। इसमे फोटोशॉप फाइल के विविध गुण प्रयोग कर सकते है। आप फाइल Html फॉरमेट मे बना सकते है, जिसे सीधे इंटरनेट पर डाल सकते है। पेजमेकर के निम्न विशेषण है

- इसमे एक क्लिक से दस्तावेज को बडे एवं छोटे आकार मे देख सकते है।
- मार्जिन के अनुसार पेज मे लेआउट स्वयं ही तैयार कर लेता है।
- मास्टर पेज की सुविधा से हेडर फुटर आदि आसानी से बनाया जाता है।
- इसमे एक फाइल मे एक से अधिक मास्टर पेज बनाये जा सकते है।
- इसमे फॉन्ट kerning, tracing आदि कि सुविधा है, जिससे टेक्स्ट पर अधिक नियंत्रण रखा जा सकता है।
- इसमे spell check, find and change आदि की सुविधा है।
- इसमे ग्राफिक्स crop करने एव ग्राफिक्स को इच्छित shape मे डालने की सुविधा है।
- index बनाने की सुविधा है।

कमीयां

1. ग्राफिक्स एवं रंग संयोजन की बहुत कम सुविधायें
2. इसमे बनाये गई फाइलों को बहुत से सॉफ्टवेयर जैसे एमएस वर्ड आदि के साथ साझा नही किया जा सकता है।
3. पेजमेकर मे गणितीय समीकरण आदि लिखने बहुत समस्या आती है।
4. टेबल बनाना मुश्किल है।

Scanned by CamScanner

4. **pagemaker के विभिन्न page format/ layout से आप क्या समझते है। समाचार पत्र के page format को विस्तार से समझाइए**
explain different page format/layout of pagemake. explain in detail about newspaper format *(Jan 20)*
या
पेजमेकर मे लेआउट निर्धारित कैसे करते है?
how to decide layout in pagemaker (Jan 2011)

उत्तर :– पेज कि सेंटीग, के लिये

- File मेन्यु को क्लिक करे।
- Document setup विकल्प को क्लिक करे। पेज सेटअप का डायलॉग बाक्स आता है।

जिसमे दस्तावेज के सेट करने के विविध विकल्प है।

Page Size :- जब नया दस्तावेज बनाते है, तब सबसे प्रथम उसके पेज का आकार तय करना पड़ता है। यदि आपने बड़ा डाटा बनाया है, और पेज प्रिन्ट मे पेपर छोटा दिया है, तो डाटा सही तरीके से पेज पर प्रिन्ट नही होगा। निम्नलिखित पेपर के आकार पेजमेकर मे उपलब्ध है। इनके अतिरिक्त आप custom विकल्प से अपने जरूरत के अनुसार पेपर का आकार तय कर सकते है। लेकिन प्राय पूर्वनिर्धारित पेपर का आकार ही प्रयोग मे लाना चाहिये।

Orientation :- इसमे पेज की दिशा तय कर सकते है। जैसे पेज खड़ा या आड़ा चाहिए है।

Double sides :- यदि आप किसी पुस्तक कि सेटिंग कर रहे है, तब इस विकल्प को चालू रखे। इस विकल्प मे दांये और बायें तरफ कि मार्जीन पेज के स्थिति के अनुसार परिवर्तीत होती है। इस विकल्प से बाइंडीग कि मार्जिन तय कर सकते है।

Scanned by CamScanner

Facing Page :- यदि किताब दायें तरफ से बांइड होना है, तब यह विकल्प चालु रखे, प्रथम पेज एकल ही रहता है। बाद के पेज खुलते समय दो पेज आते है।

Adjust Page :- यह विकल्प मास्टर पेज के लिये प्रयोग होता है। जो बदलाव आप मास्टर पेज मे करते है। वो बदलाव आप सभी पेज मे चाहते है, तब इस विकल्प को चालू रखे।

Restart page no:- यदि पेज नंबर एक "1" से चालू नही करना है, अपितु दूसरे नंबर से चालू करना है, तब उस नंबर को इस विकल्प मे टाइप करे।

No of pages:-पब्लीकेशन बनाते समय कितने पेज रखना है, यह आप निश्चित कर सकते है लेकिन आप पब्लीकेशन बनाने के बाद मे भी उसमे पेज जोड सकते है।

Margin:- इस विकल्प मे पेज की चारो ओर की मार्जिन निश्चित कर सकते है।

➲ उचित सेटिंग होने के बाद Ok की बटन क्लिक करे।

पब्लीकेशन मे पेज सेट करते समय निम्न बातो का ध्यान रखे।

1) हमेशा उचित पेपर आकार चुने

मार्जीन बहुत ज्यादा या बहुत कम ना रखे। सामान्यता **0.5** से **1.5 inch** तक रखी जाती है।

दूसरे भाग के उत्तर के लिए प्रश्न क्र 4 पृष्ठ क्र 27 देखिए

Scanned by CamScanner

Unit -3

1. **Master page** की उपयोगिता समझाइए? नया मास्टर पेज बनाने की विधी समझाइए।
   Explain use of master page. explain process to create new master page

उत्तर :– **Master Page**

बडे किताब मे बहुत ज्यादा पेज होते है, ऐसे किताब के सेट करने के लिए फाइल मे सभी पेज के लिए एक समान लेआउट बनाना पडता है। कुछ **common** घटक जैसे प्रत्येक पेज के ऊपर एक समान **header**, जो उस किताब या अध्याय का शीर्षक आदि हो सकता है। या पेज के नीचे पेज नंबर जिसे **footer** कहते है, डालना पडता है। इन सब कार्यों को करने के लिए मास्टर पेज विकल्प बहुत उपयोगी है। मास्टर पेज मे फाइल के सभी पेज को लेआउट, हेडर, फुटर सेट कर सकते है। जो ऑब्जेक्ट मास्टर पेज मे बनाया जाता है, वह ऑब्जेक्ट स्वंय ही फाइल के सभी पेजों मे आ जाता है। मास्टर पेज का **icon** स्क्रिन के नीचे बांये ओर रहता है। जिसमे L अक्षर यह दांये पेज के लिए एवं R अक्षर बांये पेज के लिए होता है। यदि **single sided** पेज है तब सिर्फ R अक्षर दिखता है। मास्टर पेज मे काम करने के लिए इस **icon** को क्लिक करे। उदाहरण के लिए यदि आपके फाइल के सभी पेज मे टेक्स्ट दांये मार्जिन से 1 इंच के दूरी पर रखना है। इसके लिए आप मास्टर पेज मे, एक **guide** दांये मार्जिन से 1 इंच दूरी पर रखें, अब सभी पेज मे 1 इंच दूरी पर एक **guide** दिखाई देगी। यदि दस्तावेज मे नया पेज **insert** किया है, तब भी 1 इंच दूरी पर **guide** दिखाई देगी। मास्टर पेज की सेटिंग को सामान्य पेज मे नही बदल सकते। अर्थात यदि मास्टर पेज मे कोई ऑब्जेक्ट बनाया है, तब उसे आप सिर्फ मास्टर पेज मे परिवर्तित कर

Scanned by CamScanner

सकते है, सामान्य पेज उस ऑब्जेक्ट मे कोई भी बदलाव नही कर सकते है।

मास्टर पेज बनाने के बाद उसके प्रभाव बाकी सभी पेज पर लागू पडता है। इसके लिए

- Windows मेन्यू को क्लिक करे।
- Show master विकल्प को क्लिक करे। इसमे आपके पब्लिकेशन जितने भी मास्टर पेज है, उनकी सूची दर्शाई जाती है।
- उनमे से इच्छित मास्टर पेज को सिलेक्ट करे।

नया मास्टर पेज बनाना

वैसे पब्लिकेशन मे एक मास्टर पेज होता है, लेकिन एक ही पब्लिकेशन मे अलग-अलग प्रकार के पेज सेट करना है, तब एक से अधिक मास्टर पेज बनाना पडेगा। एक मास्टर पेज का प्रभाव उन सभी पेजों पर होता है, जो उसके अंतर्गत आते है। यदि एक पब्लिकेशन मे अलग-अलग पेजों को अलग मार्जिन देना है, या पेज नंबर भिन्न-भिन्न देना है, या अलग लेआउट बनाना है, तब एक से अधिक मास्टर पेज का प्रयोग किया जाता है। मास्टर पेज बनाने के लिए

- Window मेन्यू मे Show Master विकल्प को क्लिक करे।
- मास्टर पेज का पैलेट दिखाई देगा, उसमे नीचे कि ओर new masler बटन को क्लिक करे। new masler page का डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा। उसमे ऊपर कि ओर नये मास्टर पेज का नाम टाइप करे। उस मास्टर के लिए इच्छित मार्जिन सेट करे। "Ok" बटन क्लिक करे। अब मास्टर पैलेट मे नये मास्टर पेज का नाम दिखाई देगा। यदि मास्टर पेज के सेटअप मे बदलाव करना है, तब नाम पर दो बार क्लिक करे। फिर से new master page का डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा।
- जिस पेज को नये मास्टर पेज के अतर्गत लाना है, उसे क्लिक करे तथा मास्टर पैलेट मे नये मास्टर पेज को क्लिक करे।

Scanned by CamScanner

- एक से अधिक पेजों को नये मास्टर मे लाना है, तब मास्टर पैलेट के ऊपर ओर एक ऐरो बटन है, उसे क्लिक करे। मेन्यू दिखाई देगा "apply.." विकल्प को क्लिक करे।
- Apply master का डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा। उसमे कौन से पेज से कौन से पेज तक मास्टर पेज के अंतर्गत लाना है, वह पेज नंबर टाइप करे। उदाहरण के लिए पेज 5 से पेज 13 तक पेज पर नया मास्टर पेज लागु करना है, तब "5-13" टाइप करें। "Apply" बटन को क्लिक करे।

पब्लिकेशन मे नया पेज डालते है, तब page insert डायलॉग बॉक्स मे नीचे कि ओर नये पेज को कौन से मास्टर पेज मे डालना है, वह सेट करना पडता है। कोई मास्टर पेज हटाने के लिए मास्टर पैलेट मे नीचे कि ओर delete बटन को क्लिक करे। वह मास्टर पेज हट जाता है, लेकिन उस मास्टर पेज के अंतर्गत आने वाले पेज नही मिटते अपितु उनकी पेज रोटिंग बदल जाती है।

3. स्टोरी (story) का पेजमेकर मे क्या तात्पर्य है?
What is meant by story in pagemaker * (June 2010, Jan 2011)
या
Edit story का उपयोग समझाइए। Edit story खोलने एवं उसमे कार्य करने की प्रक्रिया समझाइए।
what is use of edit story. explain how to work in edit story

उत्तर :- पेजमेकर मे जो टेक्स्ट एक text handle मे होता है, उसे एक स्टोरी कहा जाता है। प्रत्येक स्टोरी को अलग-अलग फारमेट किया जा सकता है। एक स्टोरी आसानी से इच्छित जगह move या Copy किया जा सकता है। एक पेज मे कार्य के अनुसार एक से एक से अधिक स्टोरी बनाई जा सकती है। जब किसी स्टोरी selection टूल से सिलेक्ट

Scanned by CamScanner

करते है, तब उपर और निचे कि ओर दो लाइन दिखाई देती है। इन लाइनों को खींच कर स्टोरी आकार बदला जा सकता है। इसमे निचे की और कुछ संकेत दर्शाये जाते है। "+" :- यदि निचे कि ओर यह चिन्ह दर्शाया है, इसका अर्थ होता है, उस handle मे कुछ टेक्स्ट और है, जो दिखाई नही दे रहा है। यदि उसे निचे की ओर खींचा जाये तो और टेक्स्ट दिखता है।

किसी स्टोरी मे बदलाव करने के लिए "Edit story" विकल्प का प्रयोग किया जाता है। यद्यपी edit story मे डाटा टाइप भी किया जा सकता है। बडे पब्लिकेशन का काम कर रहे है, जैसे प्रोजेक्ट रिपोर्ट, किताब, आदि, तब यह विकल्प बहुत उपयोगी है। या जब बडा टेक्स्ट डाटा डालना है, तब इस विकल्प का प्रयोग किया जाता है। जब आप बडा टेक्स्ट टाइप करते है, तब प्रत्येक बार नया पेज बनाना पडता है, या बडे टेक्स्ट मे सुधार के लिए प्रत्येक पेज पर जाना पडता है। लेकिन पेजमेकर मे edit story विकल्प है, जिसमे आप टेक्स्ट डाटा आसानी से डाल सकते है। यह एक word processor के समान कार्य करता है। इसमे टाइप किया डाटा पेज मे सेट कर सकते है। एक फाइल मे एक से अधिक edit story बना सकते है।

Story editor खोलना

story editor को बनाने या खोलने के लिए

- "Edit" मेन्यू को क्लिक करे।
- "Story editor" विकल्प को क्लिक करे।

नई स्क्रिन दिखाई देगी, जिसमे टेक्स्ट प्रकार का डाटा डाला जा सकता है।

इस स्क्रिन मे दो हिस्से होते है, जिसमे बडे हिस्से मे डाटा डाला जाता है। दूसरे हिस्से मे टेक्स्ट से सम्बन्धित जानकारी दर्शाई जाती है, जैसे उसकी स्टाइल आदि। इस स्क्रिन मे टेक्स्ट डाटा डालने के लिए बडी जगह दि जाती है। इसमे आप टेक्स्ट का फॉन्ट, रंग, आकार आदि बदल सकते है। लेकिन इसमे टेक्स्ट के प्रभाव नही दर्शाये जाते है। जब आप उस टेक्स्ट को पेज पर लाते है, तब उसके प्रभाव दिखाई देते है। आप

Scanned by CamScanner

एक किताब के सभी अध्याय एक हि स्टोरी मे टाइप कर सकते है। लेकिन यदि बडा डाटा है, तब प्रत्येक अध्याय के लिए अलग–अलग स्टोरी बनाए।

नई **story** बनाने के लिए

- "**Story editor** मे जाए।
- "**Story**" मेन्यू को क्लिक करे।
- "**New story**" विकल्प को क्लिक करे।

नई विंडो दिखाई देगी, यह नई स्टोरी है, इसमे आप डाटा टाइप कर सकते है। स्टोरी का नाम उसके हेडिंग या पहले लाइन के टेक्स्ट के आधार पर आता है।

स्टोरी को टेक्स्ट पेज पर लाना

स्टोरी मे टेक्स्ट टाइप करने के बाद उसे पेज पर लाना पडता है।

- "**Edit**" मेन्यू को क्लिक करे। "**Edit layout**" को क्लिक करे।
- पेज का लेआउट दिखाई देता है, तथा माऊस पाईंटर चौकोर आकार मे दर्शाया जाता है।
- जहाँ से टेक्स्ट डालना है, वहाँ पर उस पाईंटर को रखें एंव अंत तक खींचते ले जाए।

Edit story मे विभिन्न विकल्प चालु हो जाते है, जैसे **spell check, find & replace** आदि। लेकिन **page setup, print** विकल्प बंद हो जाते है।

Scanned by CamScanner

Unit 1

1. प्रिंटिंग में डीटीपी का महत्व क्या है? ऑफसेट प्रिंटिंग का उपयुक्त उदाहरण सहित वर्णन कीजिए
   What is significance of DTP in printing? Explain offset printing in detail with suitable example

उत्तर:– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 4 देखें। तथा दूसरे हिस्से के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 7 देखें।

Or

2. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
   Explain the following in detail
   a) Hardware and software used in DTP
   b) Types of printing

उत्तर :–

Hardware and software used in DTP :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 15 तथा पेज क्रं. . देखें।

Types of Printing :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 10 तथा पेज क्रं. 13 देखें।

Unit 2

3. पेजमेकर की विशेषताओं का वर्णन कीजिए

Scanned by CamScanner

What does write the features of pagemaker in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र.1 तथा पेज क्रं. 24 देखें।

Or

4. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
Explain the following in detail
1. Page size and orientation
2. Import and export
3. Autoflow
4. Columns and gutters

उत्तर :–

Page size and orientation :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 11 तथा पेज क्रं. 14 देखें।

import and export :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 7 तथा पेज क्रं. 51 देखें। **export** के उत्तर के लिए इस प्रश्न क्र. 8 तथा पेज क्रं. 52 देखें।

AutoFlow :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 9 तथा पेज क्रं. 36 देखें।

column and gutters:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 14 तथा पेज क्रं. 39 देखें।

Unit 3

5. अखबारों की पेज डिजाइनिंग तथा लेआउटिंग के लिए पेज मे कर कितना उपयोगी है? वर्णन कीजिए
Describe how pagemaker is useful as a page designing and out of routing software for newspaper

Scanned by CamScanner

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 3 तथा पेज क्रं. 28 देखें।

Or

6. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
Explain the following in detail
   1. **Table editor**
   2. **Magazine page layout**
   3. **Text wrapping**
   4. **Master pages**

उत्तर :– **Table Editor :-** इस प्रश्न के उत्तर के नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के लिए प्रश्न क्र. 6 तथा पेज क्रं. 49 देखें।

Magzine Page Layout :- पत्रिका का प्रकाशन साधारणतः हफ्ते, पंद्रह दिनों मे, माह मे या साल मे एक बार होता है। साधारणत कोई किसी एक विषय, समाज पर आधारित होती है, जैसे स्वास्थ संबंधि पत्रिका, धार्मिक पत्रिका, सामाजिक पत्रिका आदि। किताब के विपरीत इसे बहुत अधिक संभालकर नही रखा जाता है। इसमे अर्थपूर्ण जानकारियों के साथ विभिन्न विज्ञापन भी डाले जाते है। अलग अलग पत्रिकाओं की डिजाइन भिन्न भिन्न होती है। किसी भी पत्रिका की डिजाइन उसको पढने वाले समूह पर निर्भर होती है। पत्रिका में निम्न घटक महत्वपूर्ण होते है

- कवर पेज :– किसी पत्रिका मे कवर पेज अलग से बहुरंगी छपाई मे बनाया जाता है। लेकिन कम मूल्य की पत्रिका मे कवर पेज से ही मूल दस्तावेज चालू कर दिया जाता है। इस प्रकार के कवर पेज मे ऊपर की ओर पत्रिका का नाम , प्रकाशन की तारीख, पत्रिका की अवधि, संपादक, प्रकाशक आदि का नाम दिये होते है। जिस पत्रिका मे बहुरंग कवर पेज बनाई जाती है, यह सब जानकारियाँ अंदर के पेज पर होती है। बहुरंग कवर पेज मे पत्रिका नाम एवं पत्रिका के अंदर की विभिन्न जानकारियों का सारांश आकर्षक तरीके से दर्शाया जाता हैं।

Scanned by CamScanner

- बाइन्डिंग:– किसी भी पत्रिका मे बाइन्डिंग साधारण स्टेपल प्रकार की जाती है। पत्रिका की बाइन्डिंग पर बहुत अधिक खर्चा नही किया जाता है।
- पत्रिका का लेआउट :– साधारणत: पत्रिका को दो या अधिक कॉलम मे सेट किया जाता है। पत्रिका का आकार **portrait** रखा जाता है, अर्थात लंबाई, चौडाई से अधिक होती है। यदि समाचार पत्रिका है, तब विभिन्न आकार के हेडिंग रखे जा सकते है। समाजिक पत्रिका मे हेडिंग साधारणत: एक समान रखी जाती है। न्यूजलेटर का आकार साधारणत: पत्रिका से बडा होता है। पत्रिका को अधिक कलात्मक रूप से सेट किया जाता है, न्यूजलेटर का सीधे कॉलम मे सेट किया जाता है। न्यूजलेटर विभिन्न पिक्चर, ग्राफिक्स या ऑब्जेक्ट एवं टेक्स्ट को एक सीध मे रखे जाते है। पत्रिकाओ फोटो, ग्राफिक्स आदि अधिक कलात्मक रूप से दर्शाये जा सकते है। कुछ न्यूजलेटर या पत्रिका प्रिन्ट नही की जाती है, अपितु वेब साईट पर दर्शाई जाती है, वेबसाईट पर सेट करने के लिए अलग फॉरमेट प्रयोग किया जाता है।
- प्रिन्टिंग :– न्यूजलेटर को साधारणत: काले रंग मे या कोई एक रंग मे प्रिन्ट किया जाता है, जो कम खर्चिला होता है। पत्रिका का कवर एवं अंदर कुछ या सभी पेजों पर बहुरंगी छपाई की जाती है। न्यूजलेटर मे कागज भी साधारण क्वालिटी का रखा जाता है, पत्रिकाओं के लिए अच्छे क्वालिटी के कागज का उपयोग किया जाता है।

Text Wrapping

Master Page :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 44. देखें।

Unit 4

7. एडोब फोटोशॉप की विशेषताएं एवं उपयोग क्या है? वर्णन कीजिए
Explain the features and Use of Adobe Photoshop In detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 66 देखें।

Scanned by CamScanner

8. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
Explain the following in detail
1. Vector image
2. Raster image
3. colour modes
4. Pixels

उत्तर :–

Vector Image :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 71 . देखें।

Raster Image :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 71 . देखें।

Colour Modes :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 2 तथा पेज क्रं. 67. देखें।

Pixel :- स्क्रीन के प्रत्येक बिंदु (Dot) को पिक्सेल कहा जाता है। सभी ग्राफिक या चित्र यह हजारों पिक्सेल के समूह से बना होता है। प्रत्येक पिक्सेल यह अलग रंग में हो सकता है। एक पिक्सेल बहुत छोटा होता है इसलिए अलग अलग रंग होने पर भी आकृति एक इकाई में दिखाई देती है।

Unit 5

9. फोटोशॉप में उपलब्ध टूल्स के उपयोग का वर्णन कीजिए
Explain any four tools available in Photoshop and its use in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के क्र. 2 तथा पेज क्रं. 75. देखें।

or

10. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
Explain the following in detail
a) Layers effect in Photoshop
b) Use of filters in Photoshop

Scanned by CamScanner

Unit 1

1. डेस्कटॉप पब्लिशिंग क्या है? DTP के कार्य क्षेत्र का वर्णन विस्तार से कीजिए
   What is desktop publishing? Write the area of DTP being used in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 4 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

or

2. संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए
   Write short notes on
   a) DTP and offset printing
   b) Hardware and software requirement of DTP

उत्तर:–

Hardware and software used in DTP :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 15 तथा पेज क्रं. . देखें।

DTP and offset printing :- इस प्रश्न के उत्तर के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के लिए पेज क्रं. 7 तथा प्रश्न क्रं. 5 देखें।

Unit 2

3. पेजमेकर में पेज लेआउट किस तरह बनाया जाता है? एक लेआउट के साथ समझाइए

Scanned by CamScanner

How is a page layout design in pagemaker? explain with a layout

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 29 तथा प्रश्न क्रं. 4 देखें।

or

4. संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए
   Write short notes on
   a) **Tool box**
   b) **Page orientation**
   c) **Import a text/ pictures**
   d) **Auto Flow**

उत्तर:–

Tool box:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए पेज क्रं.30 तथा प्रश्न क्रं. 6 देखें।

Page orienatation:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए पेज क्रं. 28 तथा प्रश्न क्रं. 3 देखें।

Import a text/picture:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 7 तथा पेज क्रं. 51 देखें।

AutoFlow :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 9 तथा पेज क्रं. 36 देखें।

Unit 3

5. पेजमेकर में एक विज्ञापन किस तरह बनाया जाता है? लेआउट के साथ समझाइए

How is an advertisement design in pagemaker? explain with a layout

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 58 तथा प्रश्न क्रं. 4 देखें।

Scanned by CamScanner

Or

6. निम्न को विस्तार से लिखिए
   Explain the following in detail
   a) **Story editor**
   b) **Newspaper page layout**
   c) **Header and footer**

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के पेज क्रं. 29 तथा प्रश्न क्रं. 4 देखें।

Unit 4

7. फोटोशॉप क्या है? इसकी विशेषताएं और कार्यक्षेत्र का विस्तृत वर्णन कीजिए
   What is Photoshop? explain the feature and area of used in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के पेज क्रं. 68 तथा प्रश्न क्रं. 2 देखें।

Or

8. संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए
   Write short note on
   a) **Raster image**
   b) **Graphic file**
   c) **Colour models**
   d) **Importing image in Photoshop**

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन **Question bank** के पेज क्रं. 71 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

Unit 5

Scanned by CamScanner

प्रश्न 1 – पेजमेकर क्या है तथा इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिये?

What is PageMaker & Explain its features?

उत्तर–पेजमेकर को एल्डस कॉर्पोरेशन ने विकसित किया था। परन्तु जब से इस सॉफ्टवेयर को एडोब कॉर्पोरेशन ने ग्रहण किया है, तब से इसकी समृद्धता अधिक हो गई। जहाँ पेजमेकर नामक एप्लीकेशन प्रोग्राम पेज ले-आउट को स्केल के अनुसार बनाने में सक्षम था, वहीं लेजर प्रिन्टर 300 डी०पी०आई० की ऐसी प्रिन्टिंग करने में सक्षम था जिससे ऑफसेट प्रिन्टिंग करने में सक्षम हो, जिससे ऑफसेट प्रिन्टिंग के लिए निगेटिव और पॉजिटिव बन सकते थे।

पेजमेकर में अनेक सुविधायें हैं जिसके कारण डी०टी०पी० कार्य को एक नई दिशा मिल गई; जैसे–इसमें किसी भी साइज का डॉक्यूमेन्ट तैयार करने की सुविधा, अनेक फॉण्ट्स प्रयोग करने की आजादी, शॉर्ट कमाण्ड के द्वारा मैटर को मनचाहे स्वरूप में बदलने की सुविधा, अनेक भाषाओं में कार्य करने की सुविधा, शब्दों या अक्षरों के बीच का अंतर बदलकर लाइन अनुसार सेट करने की सुविधा पृष्ठ संख्या की ऑटोमैटिक सेटिंग जिसके बाद हर पेज पर पृष्ठ संख्या डालनी नहीं पड़ती, निर्धारित स्थान पर पेजमेकर स्वतः पृष्ठ संख्या डाल देता है एवं अनेक पृष्ठों वाले डॉक्यूमेन्ट में जहाँ चाहे नया पेज जोड़ सकते हैं। पेजमेकर में टेम्पलेट की सुविधा विभिन्न उद्देश्यों के लिए पब्लिकेशन का निर्माण करने की सुविधा, अनेक ले-आउट्स की सुविधा, टेम्पलेट्स में इच्छा अनुसार परिवर्तन करने की सुविधा, क्लिपआर्ट व इमेज डालने की सुविधा रंगों का समावेश, फोटोशॉप के साथ समावेश करने की सुविधा, पेजमेकर में मास्टर पेज को अपनी आवश्यकतानुसार प्रयोग करना, डिक्शनरी तथा डायरेक्ट्रीज के लिए **Runner Header** तथा **Footer** भी बना सकने की सुविधा, डुप्लेक्स प्रिन्टिंग की सुविधा, इंटरनेट के साथ जुड़कर कार्य करने की सुविधा, डाटाबेस फाइल्स को भी पब्लिकेशन में सरलता के साथ प्रयोग करने की व्यवस्था करना पेजमेकर की विशेष खासियत है। इसमें ग्राफिक ऑब्जैक्ट्स से लेकर मूवी जैसे–ऑब्जैक्ट्स को इन्सर्ट करने की सुविधा, फाइल को **Export** व **Import** करने की सुविधा तथा **PDF** फाइल को समावेश करने की सुविधा।

पेजमेकर को कम्प्यूटर में स्थापित करना–पेजमेकर को कम्प्यूटर मे स्थापित करने के लिए हमारे पास **CD** में सॉफ्टवेयर होना चाहिए सीडी को सीडी **Drive** में लगाने के पश्चात् **Autorun** कमाण्ड को क्रियान्वित करते हैं। यदि किसी कारण से **Autorun** सुविधा क्रियान्वित नही हो पाती तो **Run** कमाण्ड मे क्लिक करने पर एक बॉक्स प्रदर्शित होता है, उसमें ब्राउजर में जाकर डायलॉग बॉक्स पर क्लिक करते है। इसमें पेजमेकर की अनेक फाइल स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जाती हैं, उनमें से सैटअप फाइल को **Run** करते हैं। इसी के साथ पेजमेकर की स्थापना का कार्य प्रारम्भ हो जाता है। इसके साथ ही स्क्रीन पर सॉफ्टवेयर के सम्बन्ध में एक एग्रीमेंट प्रदर्शित होता है, जिसे स्वीकार करने के लिए पुश बटन पर क्लिक करते है।

इसके पश्चात् सीरियल नम्बर का बॉक्स प्रदर्शित होता है। सीरियल नम्बर हमें कम्पनी प्रदान करती जो इसमें भरना होता है। इसके पश्चात् अनेक कम्पोनेन्ट्स प्रदर्शित होते हैं जिनको हमें भरना होता है। इसके साथ ही हमारा पेजमेकर कम्प्यूटर की हार्ड डिस्क में स्थापित हो जाता है। इसका आइकन स्वतः ही डेस्कटॉप पर बन जाता है।

पेजमेकर (PageMaker) की कुछ प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(1) पेजमेकर में दिये गये टेम्पलेट्स (Templates) के रूप में विभिन्न उद्देश्यों के लिए पब्लिकेशन का निर्माण करने हेतु अनेक ले-आउट्स दिए होते हैं। इन ले-आउट्स को उनके मूल रूप में अथवा इनमें वांछित परिवर्तन करके प्रयोग में लाया जा सकता है।

(2) पेजमेकर में दी गयी स्टैण्डर्ड टूलबार (Standard Toolbar) पर दिए गए टूल बटन्स का प्रयोग करके नई पब्लिकेशन फाइल को खोलने, किसी पुरानी पब्लिकेशन फाइल को खोलने, फाइल पर किये गये कार्य को सुरिक्षत करने, प्रिन्ट करने से लेकर टैक्स्ट की फॉर्मेटिंग तथा स्पेलिंग की जाँच का कार्य भी किया जा सकता है। स्टैण्डर्ड टूल बार (Standard Toolbar) का प्रयोग करके पब्लिकेशन में क्लिप आर्ट तथा इमेज का भी प्रयोग किया जा सकता है, पब्लिकेशन को छोटा अथवा बड़ा करके देखा जा सकता है, पब्लिकेशन में नया रिक्त पृष्ठ जोड़ने तथा अनावश्यक पृष्ठों को पब्लिकेशन से मिटाने का कार्य भी किया जा सकता है।

(3) पेजमेकर में अन्य ग्राफिक सॉफ्टवेयर्स की भांति, इसमें रहते हुए भी स्कैनर से किसी इमेज को स्कैन करके पब्लिकेशन में प्रयोग किया जा सकता है साथ ही फोटोशॉप के प्रभावों को पेजमेकर में रहकर भी प्रयोग किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

(4) पेजमेकर में तैयार किए गए पब्लिकेशन में सामान्य ग्राफिक ऑब्जैक्ट्स से लेकर मूवी जैसे ऑब्जैक्ट्स को भी इम्पोर्ट किया जा सकता है।

(5) पेजमेकर में डाटाबेस मैनेजमेन्ट सॉफ्टवेयर्स में तैयार की गई डाटाबेस फाइल्स को भी पब्लिकेशन में प्रयोग किया जा सकता है।

(6) पेजमेकर में डिक्शनरी तथा डायरेक्ट्रीज के लिए रनिंग हैडर (Running Header) तथा फुटर (Footer) भी बनाये जा सकते हैं। यह प्रक्रिया पूर्णतया स्वचालित है।

(7) पेजमेकर में आवश्यकतानुसार अनेक मास्टर पेजेज़ का पृथक्-पृथक् उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

(8) पेजमेकर में तैयार किए गए पब्लिकेशन के पृष्ठों का प्रिन्ट यदि प्रिन्टर में लगे कागज़ के दोनों ओर प्राप्त करना है, तो डुप्लेक्स प्रिन्टिंग विकल्पों का प्रयोग करके यह कार्य किया जा सकता है। इस ऑप्शन्स का सक्रिय होना अथवा न होना प्रिन्टर के ऊपर निर्भर होता है।

(9) पेजमेकर में विण्डोज़ ऑपरेटिंग सिस्टम की भाँति शॉर्टकट मेन्यूज़ को सम्मिलित किया गया है। शॉर्टकट मेन्यूज़ का प्रयोग करके विभिन्न कार्यों को शीघ्रता से निपटाया जा सकता है। शॉर्टकट मेन्यूज़, माउस का दायाँ बटन दबाने पर मॉनीटर स्क्रीन पर प्रदर्शित होते हैं।

उपरोक्त विशेषताओं के साथ-साथ पेजमेकर (PageMaker) की कुछ सीमाएँ (Limitations) भी हैं।

पेजमेकर की प्रमुख सीमाएँ निम्नलिखित हैं–

(1) पेजमेकर में टैक्स्ट के साथ ग्राफिक्स का प्रयोग किया जा सकता है, परन्तु इनको पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर पर प्रिन्ट करते समय कभी-कभी ये अपने स्थान से विस्थापित हो जाते हैं।

(2) पेजमेकर का पब्लिकेशन पोस्टस्क्रिट प्रिन्टर पर प्रिन्ट करते समय कभी-कभी पूरा प्रिन्ट नहीं होता है।

(3) पेजमेकर में समीकरण आदि बनाने का कार्य अत्यन्त दुष्कर कार्य है।

(4) पेजमेकर में तैयार किए गए ग्राफिक्स के ऑब्जेक्ट भी कभी-कभी पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर पर प्रिन्ट करते समय अपने स्थान से विस्थापित हो जाते हैं।

(5) पेजमेकर में रोटेट (Rotate), स्क्यू (Skew) अथवा फ्लिप (Flip) किए गए ऑब्जेक्ट भी कभी-कभी पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर पर प्रिन्ट करते समय अपना यह ट्रान्सफॉर्मेशन (Transformation) खो देते हैं। ❑

प्रश्न 2 – पेजमेकर में टूल्स का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Explain in brief the tools of PageMaker.

उत्तर–PageMaker में A4 Tools प्रयोग करने के लिए मिलते हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

• **Pick Tool**–Pick Tool का प्रयोग करके आप किसी चित्र या मैटर को Select करते हैं। यदि इस टूल पर डबल क्लिक करें तो Preference डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाएगा और आप रूलर को सेमी० या इंच इत्यादि में बदल सकते हैं या ग्राफिक डिस्प्ले को High resolution में बदलने जैसे अनेकों कार्य कर सकते हैं।

• **Type Tool**–Type Tool को Select करने के बाद आप पेज पर जिस स्थान पर भी क्लिक करते हैं उस स्थान पर एक कर्सर आ जाता है और इसके बाद कोई भी मैटर टाइप कर सकते हैं। यदि इस टूल पर डबल क्लिक करें तो Character Specifications का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाता है। इसमें आप मैटर को भिन्न-भिन्न प्रकार के Font, Size, Color एवं Style में बदल सकते हैं।

• **Rotation Tool**–Rotation Tool पर क्लिक करने के बाद जब चित्र पर क्लिक करते हैं तो उसके चारों ओर Nodes दिखाई देते हैं। माउस द्वारा किसी भी Node को पकड़ कर घुमाते हैं तो वह चित्र घूमने लगता है। इस तरह हम Node को किसी भी Angle में घुमा सकते हैं।

• **Crop Tool**–Crop Tool द्वारा हम किसी भी चित्र को काटकर उसके किसी भी मनचाहे भाग को प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह उसका अवांछित भाग कट जाता है, जो दिखाई तो नहीं देता, परन्तु यदि आवश्यकता पड़े तो Crop Tool द्वारा पुनः फैलाकर उसे प्राप्त किया जा सकता है।

• **Freehand Line Tool**–इस Tool द्वारा हम किसी भी एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक लाइन खींच सकते हैं, अर्थात् हम किसी भी Angle में लाइन खींच सकते हैं।

• **Horizontal or Vertical Line Tool**–इस Tool द्वारा हम Horizontal या Vertical Angle की लाइन खींच सकते हैं। उपरोक्त दोनों टूल्स में से किसी पर भी डबल क्लिक करने पर Customer Strock का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाता है। इसमें आप भिन्न-भिन्न प्रकार की Line Select कर सकते हैं और उनकी भी Width बदल सकते हैं।

Scanned by CamScanner

• **Box Tool**–Box Tool की सहायता से किसी भी आकार का बॉक्स बना सकते हैं। इस Tool पर डबल क्लिक करने पर Rounded Corners का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर दिखाया जाता है जिसमें से किसी एक प्रकार के Rounded Corner विकल्प को चुनकर आप बॉक्स में Apply कर सकते हैं।

• **Box Frame Tool**–Box Frame Tool द्वारा आप एक Rectangle Frame प्राप्त करते हैं जिसमें किसी भी प्रकार का मैटर या चित्र सेट कर सकते है। इस तरह Frame में सेट किया गया मैटर या चित्र Frame के Size अनुसार सेट हो जाता है और इसे उपयुक्त स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस टूल पर डबल क्लिक करने पर Frame Option का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाता है, जिसमें आप **Frame** के अन्दर वाले Contents की Position और Alignment बदल सकते हैं।

• **Ellipse Tool**–Ellipse Tool द्वारा हम गोल घेरा (Circle) बना सकते हैं। जिसमें मनचाहे साइज में Frame बनाकर मैटर या चित्र सेट किया जा सकता है। इस टूल पर डबल क्लिक करने पर Frame Options का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाता है और इसमें आप अपना मनचाहा विकल्प चुन सकते हैं।

• **Polygons Tool**–Polygons Tool द्वारा तीन या इससे अधिक Side वाले Polygons बनाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए–यदि आप त्रिभुज, चतुर्भुज, पंचभुज या षट्कोण आदि बनाना चाहते हैं तो Polygons tool पर क्लिक करें और Polygons के लिए किसी एक स्थान पर क्लिक करके उसी के आगे थोड़ी दूरी पर दूसरा क्लिक करें और इसी प्रकार उसे Polygons की Shape देते हुए 5 क्लिक और करते हैं। इस तरह जो Polygon बनेगा उसकी सभी भुजाएँ बराबर होंगी।

यदि आप Polygons की Sides की संख्याएँ बदलना चाहते हैं या उसकी प्रत्येक भुजा का Size बदलना चाहते हैं तो Polygon पर डबल क्लिक करें। इस तरह Polygon Setting का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाएगा जिससे आप Polygon में अपनी मनचाही सैटिंग कर सकते हैं। Polygons Tool चुनने के बाद यदि हम किसी एक बिन्दु पर क्लिक करें और फिर किसी दूसरे बिन्दु पर क्लिक करें तो Line बन जाती है। इसके बाद फिर किसी और Point पर क्लिक करते हुए जितनी भी Line वाला बनाना चाहें बना सकते हैं।

• **Polygon Frame Tool**–Polygon Frame Tool में हम मनचाहे मैटर या डिजाइन को सैट कर सकते हैं। इस टूल पर डबल क्लिक करने पर Frame Option का डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आ जाता है, जिससे हम मैटर या डिजाइन की सैटिंग को Change कर सकते हैं।

• **Tool**–इस टूल की सहायता से हम डॉक्यूमेन्ट को खिसका सकते हैं या स्क्रीन को ऊपर-नीचे कर सकते हैं। इस टूल को हम ALT + माउस के बटन को Press करके भी पेज को खिसका सकते हैं।

• **Zoom Tool**–इस टूल को क्लिक करने के बाद पेज के किसी भी स्थान को हम बड़ा करके देख सकते हैं, अर्थात् Zoom In या Zoom Out करने के लिए Ctrl 'की' का प्रयोग साथ में करते हैं। ❑

प्रश्न 3 – पेजमेकर में स्टैण्डर्ड टूलबार के विभिन्न टूल व बटन्स एवं उनके कार्य समझाइये।

Explain various tools & buttons of standard toolbar & also explain their working.

उत्तर–पेजमेकर में स्टैण्डर्ड टूलबार के टूल, बटन्स व उनके कार्य

टूल बटन	टूल बटन के कार्य
New	नया पब्लिकेशन बनाने के लिए।
Open	पहले से बने किसी पब्लिकेशन को खोलने के लिए।
Save	पब्लिकेशन पर किए गए कार्य को सुरक्षित करने के लिए।
Print	पब्लिकेशन अथवा इसके वांछित भाग को प्रिन्ट करने के लिए।
Find	पब्लिकेशन में कोई शब्द या शब्द-शृंखला को खोजने के लिए।
Character Specs	पब्लिकेशन के चुने गए अथवा टाइप किए जाने वाले टैक्स्ट के लिए फॉण्ट का प्रकार, आकार एवं स्टाइल्स आदि का निर्धारण करने के लिए।
Increase Font Size	पब्लिकेशन में चुने गए टैक्स्ट का फॉण्ट बढ़ाने के लिए। इस टूल बटन पर क्लिक करने पर चुने गए टैक्स्ट का फॉण्ट 0.1 प्वॉइण्ट बढ़ जाता है।

Scanned by CamScanner

Decrease Font Size	पब्लिकेशन में चुने गए टैक्स्ट का फॉण्ट आकार घटाने के लिए। इस टूल बटन पर क्लिक करने पर चुने गए टैक्स्ट का फॉण्ट आकार 0.1 प्वॉइण्ट घट जाता है।
Spelling	पब्लिकेशन में अंग्रेजी भाषा में टाइप किए गए टैक्स्ट की स्पेलिंग की जाँच करने के लिए।
Fill and Stroke	पब्लिकेशन में बनाई गई आकृतियों की आउटलाइन्स तथा उनमें भरे वाले रंग का निर्धारण करने के लिए।
Paragraph Space	पब्लिकेशन के पैराग्राफ्स के इन्डेण्ट, पैराग्राफ से पहले और बाद का अतिरिक्त स्थान, एलाइनमेन्ट, डिक्शनरी, पैराग्राफ के पहले और बाद में रेखाएँ प्रयोग करने आदि का निर्धारण करने के लिए।
Indent and Tabs	पैराग्राफ्स के लिए इन्डेण्ट तथा टैब्स का निर्धारण करने के लिए।
Bullets and Numbering	चुने गए पैराग्राफ्स के पहले विशेष चिन्ह तथा पैराग्राफ क्रमांक प्रयोग करना।
Outdent	पैराग्राफ के **Left Indent** को कम करने के लिए।
Indent	पैराग्राफ के **Left Indent** को बढ़ाने के लिए।
Insert Pages	पब्लिकेशन में पृष्ठों को इन्सर्ट करने के लिए
Remove Pages	पब्लिकेशन में अनावश्यक एवं अनुपयोगी पृष्ठों को मिटाने के लिए।
Frame Options	फ्रेम्स के लिए विभिन्न निर्धारण करने के लिए।
Text Wrap	बनाई गई किसी आकृति अथवा इन्सर्ट किए गए किसी ऑब्जैक्ट के चारों ओर टैक्स्ट के प्रवाह को निर्धारित करने के लिए।
Picture Palette	पब्लिकेशन में एडोब की लाइब्रेरी से किसी पिक्चर अथवा क्लिपआर्ट को प्रयोग करने के लिए पिक्चर पैलेट को खोलने के लिए।
Place	पब्लिकेशन में विभिन्न प्रकार की टैक्स्ट अथवा ग्राफिक फाइल्स को इम्पोर्ट करने के लिए।
Photoshop	एडोब फोटोशॉप को चलाने के लिए।
HTML Export	पब्लिकेशन को **HTML फॉर्मेट** में एक्सपोर्ट करने के लिए।
ExportAdobe PDF	पब्लिकेशन को **Adobe PDF** के फॉर्मेट में एक्सपोर्ट करने के लिए, ताकि इसको **Adobe Acrobate Reader** मे खोला जा सके।
Zoom In	पब्लिकेशन को स्क्रीन पर बड़े आकार में प्रदर्शित करने के लिए।
Zoom Out	पब्लिकेशन को स्क्रीन पर छोटे आकार में प्रदर्शित करने के लिए।
Actual Size	पब्लिकेशन को स्क्रीन पर वास्तविक आकार में प्रदर्शित करने के लिए।
Fit in Windows	पब्लिकेशन के पूरे पृष्ठ को पेजमेकर की एप्लीकेशन विण्डो पर प्रदर्शित करने के लिए।
Help	पेजमेकर का हैल्प प्रोग्राम चलाने के लिए।

Scanned by CamScanner

Roll No. 58500 14

A-350

Higher Secondary Vocational Examination (Regular) - 2018

Windows (3-D) & DTP Package (Pagemaker)

(Hindi & English Versions)

Total Printed Pages : **4**	
Total Questions : **16**	
Maximum Marks : **100**	
Time : **3** Hours	

Serial Number

3500080

निर्देश :

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

Instructions :

(i) All questions are **compulsory.**

(ii) Marks allotted to each question are indicated against it.

Scanned by CamScanner

1 सही विकल्प चुनकर लिखिए : 5×2=10

(i) विंडोज में डेस्क टॉप का Appearance बदल सकते है :

(अ) कन्ट्रोल पैनल से (ब) प्रिंट मैनेजर से

(स) फाइल मैनेजर से (द) एप्लीकेशन से

(ii) पेजमेकर में आटोफ्लो (AutoFlow) कमांड स्थित होता है :

(अ) फाइल मीनू (ब) एडिट मीनू

(स) ले आउट मीनू (द) एलीमेन्ट मीनू

(iii) डी.टी.पी. का पूर्ण रूप है :

(अ) डेस्क टाप पेपर (ब) डेस्क टाप पब्लिशिंग

(स) डेस्क टाप पब्लिशर (द) डेस्ट टाप पब्लिश

(iv) पेजमेकर में टेक्स्ट (Text) टूल को चुनने की शार्टकट की है :

(अ) Shift + F6 (ब) Shift + F4

(स) Ctrl + Spacebar (द) F9

(v) पेजमेकर को अपनी आवश्यकता के अनुसार कस्टामाईज़ करने का कमांड है :

(अ) पेज सेट-अप (ब) प्रिफरेन्सस

(स) एडिट स्टोरी (द) एक्सपोर्ट

Choose the correct alternative :

(i) In Windows the appearance of Desktop can be changed by :

(a) Control Panel (b) Print Manager

(c) File Manager (d) Application

(ii) The AutoFlow command of Pagemaker is situated in :

(a) File Menu (b) Edit Menu

(c) Layout Menu (d) Element Menu

(iii) The full form of D.T.P. is :

(a) Desk Top Paper (b) Desk Top Publishing

(c) Desk Top Publisher (d) Desk Top Publish

(iv) The shortcut key to select Text tool in Pagemaker is :

(a) Shift + F6 (b) Shift + F4

(c) Ctrl + Spacebar (d) F9

(v) The command to customize the Pagemaker according to the requirement is :

(a) Page Set-up (b) Preferences

(c) Edit Story (d) Export

Scanned by CamScanner

2 सही जोड़ी बनाओ : 5

(i) PLACE	(i) पेजमेकर
(ii) लीडिंग	(ii) अनडू
(iii) ऑफसेट प्रिंटिंग	(iii) ^D
(iv) Alt + BKSP	(iv) एक पाइंट साइज कम करना
(v) Shift + Ctrl + <	(v) दो लाइनों के मध्य स्थान

Match the column :

(i) PLACE	(i) Pagemaker
(ii) Leading	(ii) UNDO
(iii) Offset Printing	(iii) ^D
(iv) Alt + BKSP	(iv) Reduce one point size
(v) Shift + Ctrl + <	(v) Space between two lines

3 प्रोग्राम मैनेजर के कार्य लिखिए । 5
Write the functions of Program Manager.

4 क्लिपबोर्ड व्यूअर क्या है ? इसके कार्य लिखिए । 5
What is clipboard viewer ? Write its functions.

5 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 5
(i) स्क्रीन सेवर
(ii) रेडियो बटन
Write notes on the following :
(i) Screen Saver
(ii) Radio Button

6 फाइल मैनेजर में फाइल को कापी तथा मूव करने के चरण लिखिए । 5
Write the steps to Copy and Move the file in File Manager.

7 विंडोज़ के पेंटब्रश के पिक (Pick) मीनू के निर्देशों का वर्णन कीजिए । 5
Describe the commands of Pick Menu of Paintbrush in Windows.

8 विंडोज़ के "राइट एडिटर" में टेक्स्ट को सर्च करने तथा रिप्लेस करने की प्रक्रिया लिखिए । 5
Write the procedure to search and replace the text in Write editor of Windows.

9 विंडोज़ के एक्सेसरीज़ ग्रूप के कोई भी पाँच प्रोग्राम को समझाइए । 5
Explain any five programs of Accessories group of Windows.

Scanned by CamScanner

10 डी.टी.पी. क्या है ? पेजमेकर को इसमें क्यों उपयोग करते हैं ? 5
What is DTP ? Why Pagemaker is used for it ?

11 पेजमेकर में प्रिंट डायलॉग बाक्स के विभिन्न ऑप्शन समझाइए । 5
Explain the various options of Print dialog box in Pagemaker.

12 निम्न कमांडों को समझाइए : 5
(i) Track
(ii) Fit in Window
(iii) Create Index
(iv) Multiple Paste
(v) Text Wrap
Explain the following commands :
(i) Track
(ii) Fit in Window
(iii) Create Index
(iv) Multiple Paste
(v) Text Wrap

13 पेजमेकर के टूल बाक्स के विभिन्न टूल्स का उपयोग लिखिए । 5
Write the use of various tools of tool box of Pagemaker.

14 (i) पेजमेकर में इन्डेन्ट्स एवं टैब किस प्रकार निर्धारित करते हैं ? समझाइए । 5
How Indents and Tabs are set in Pagemaker ? Explain.
(ii) "Insert Page" का डायलॉग बाक्स समझाइये । 5
Explain "Insert Page" dialog box.

15 पेजमेकर के फाइल मीनू के पेज सेट-अप कमांड को विस्तार से समझाइए । 10
Explain in detail Page Setup command of File Menu of Pagemaker.

16 पेजमेकर के निम्नलिखित कमांडों को समझाइए : (कोई दो) 10
Explain the following commands of Pagemaker : (any **two**)
(i) आटोमेटिक पेज नम्बर
Automatic Page Number
(ii) टाइप स्टाइल
Type Style
(iii) आब्जेक्ट को मिरर आब्जेक्ट में बदलना
Conversion of object to mirror object.

Scanned by CamScanner